केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया डी.एन.ए.-डे

डी.एन.ए.–डे पर आयोजित कार्यशाला में संबोधित करते वक्ता। मोहन

महेन्द्रगढ़, 25 अप्रैल (मोहन/परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को डी.एन.ए.-डे मनाया गया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफैसर वी.एस. परमार ने डी.एन.ए. से जुड़े विभिन्न पहलुओं से विद्यार्थियों व शिक्षकों को अवगत करवाया। विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से आयोजित इस 1 दिवसीय कार्यशाला में शांति स्वरूप भटनागर अवार्ड विजेता प्रो. शान्तनु चौधरी, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. राजेश मिश्र, प्रो. पवन के. धर एवं प्रो. शैलेजा सिंह ने भी डी.एन.ए. से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डा. कश्यप कुमार दूबे ने बताया कि 25 अप्रैल 1953 को 'नेचर' शोध पत्रिका में जेम्स वॉटसन एवं फ्रांसिस क्रिक का एक शोध प्रकाशित हुआ जिसमें डी.एन.ए. की संरचना पेश की गई। डा. दूबे ने बताया कि इस दिन से ही 25 अप्रैल का दिन डी.एन.ए.-डे के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस शोध पत्र के बाद से मनुष्य व प्रकृत्ति से जुड़े विभिन्न शोध संभव हो सके।

इस कार्यशाला में जे.एन.यू. की प्रो. शैलेजा सिंह ने प्रोटीन्स द्वारा मलेरिया के इलाज के क्षेत्र में जारी अपने काम पर भी प्रकाश डाला जबकि प्रो. राजेश मिश्र ने विद्यार्थियों को रोग प्रतिरोधक प्रोटीन्स की जानकारी दी।

कार्यशाला में स्वागत भाषण शैक्षणिक मामलों के संकाय अध्यक्ष प्रो. ए.जे. वर्मा ने दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में विज्ञान व सामाजिक विज्ञान संकाय की ओर से विभिन्न दिवसों के अवसर पर विशेषज्ञों के व्याख्यान करवाए जाते हैं जिसका लाभ सीधे तौर पर विद्यार्थियों व शिक्षकों को मिलता है। कार्यशाला में मंच संचालन डा. पूजा यादव ने किया और इस अवसर पर विज्ञान विभाग के शिक्षक डा. रिषि गुप्ता, डा. अविजीत, डा. अश्वनी और डा. तेजपाल आदि भी उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed, 26 April 2017
epaper.punjabkesari.in//c/18589333

डीएनए-डे | हरि. केंद्रीय विवि में विशेषज्ञों ने जैव प्रौद्योगिकी व स्वास्थ्य से संबंधित जानकारियों से कराया अवगत

मलेरिया को रोकेंगे रोग प्रतिरोधक प्रोटीन्स

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को डीएनए-डे मनाया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर वीएस परमार ने डीएनए से जुड़े विभिन्न पहलुओं से विद्यार्थियों व शिक्षकों को अवगत कराया। विवि के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में शांतिस्वरूप भटनागर अवार्ड विजेता प्रो. शांतनु चौधरी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. राजेश मिश्र, प्रो. पवन के. धर एवं प्रो. शैलजा सिंह ने भी डीएनए से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

विवि में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. कश्यप कुमार दूबे ने बताया कि 25 अप्रैल 1953 को नेचर शोध पत्रिका में जेम्स वॉटसन एवं फ्रांसिस क्रिक का एक शोध प्रकाशित हुआ, जिसमें डीएनए की संरचना पेश की गई। डॉ. दूबे ने बताया कि इस दिन से ही 25 अप्रैल का दिन डीएनए-डे के रूप में मनाया जाता है। कार्यशाला में जेएनयू की प्रो. शैलजा सिंह ने प्रोटीन्स द्वारा मलेरिया के इलाज के क्षेत्र में जारी अपने काम पर प्रकाश डाला, जबकि प्रो. राजेश मिश्र ने विद्यार्थियों को रोग प्रतिरोधक प्रोटीन्स की जानकारी दी। कार्यशाला में स्वागत भाषण शैक्षणिक मामलों के संकाय अध्यक्ष प्रो. एजे वर्मा ने दिया। उन्होंने कहा कि विवि में विज्ञान व सामाजिक विज्ञान संकाय की ओर से विभिन्न दिवसों पर विशेषज्ञों के व्याख्यान कराए जाते हैं, जिसका लाभ सीधे तौर पर विद्यार्थियों व शिक्षकों को मिलता है। कार्यशाला में मंच संचालन डॉ. पूजा यादव ने किया। इस मौके पर विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. रिषि गुप्ता, डॉ. अविजीत, डॉ. अश्वनी और डॉ. तेजपाल आदि उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़. हकेंविवि में डीएनए-डे पर आयोजित कार्यशाला में विचार रखते विशेषज्ञ।

पंचायतघर में मनाया गया विश्व मलेरिया दिवस

महेंद्रगढ़ | गांव ऊंची भाण्डोर के पंचायत घर में मंगलवार को विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम सरपंच विनोद तंवर ने की तथा मुख्य तिथि के रूप में स्वास्थ्य निरीक्षक धन सिंह उपस्थित रहे। एमपीएचडब्ल्यू अनूप सिंह ने कहा कि मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए भारत सरकार ने सन 1953 में मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम शुरू किया था। लेकिन जब तक आम जनता का सहयोग नहीं मिलेगा तब तक कोई भी कार्यक्रम सफल नहीं हो सकता। स्वास्थ्य निरीक्षक धनसिंह ने कहा कि कोई भी बुखार मलेरिया हो सकता है, इसलिए बुखार होने पर फौरन रक्त की जांच कराएं। घर के आस-पास पानी इकट्ठा न होने दें। गांव के सरपंच विनोद तंवर ने स्वास्थ्य विभाग की टीम का उनके गांव में जागरूकता शिविर लगाने पर धन्यवाद किया।

मच्छरों को पनपने से रोकें

नारनौल | विश्व मलेरिया दिवस पर जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा मंगलवार को मोहल्ला माली टिब्बा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में उप सिविल सर्जन (मलेरिया) डॉ. संजय बिश्नोई की अध्यक्षता में जागरूकता सभा का आयोजन किया गया। बैठक में उप सिविल सर्जन ने उपस्थित लोगों को मलेरिया कैसे एवं कब फैलता है, इससे होने वाले नुकसान एवं रोकथाम बारे विस्तारपूर्वक अवगत करवाया।

बैठक को संबोधित करते हुए डा.संजय बिश्नोई ने बताया कि मलेरिया एक खतरनाक बीमारी है। जो मच्छर के काटने से फैलता है। इसलिए मलेरिया से बचने के लिए मच्छरों के पनपने से रोकना होगा। उन्होंने कहा कि मलेरिया के लक्षण दिखाई देने पर पीड़ित व्यक्ति तुरंत रक्त की जांच करवाए। इसके बाद चिकित्सक की सलाह के अनुसार समय पर दवाइयां लेकर पूरा उपचार लें। नागरिक अस्पताल में मलेरिया की जांच निशुल्क की जाती है। इस अवसर पर एलटी मुकेश शर्मा, हैल्थ इंस्पेक्टर राकेश शर्मा, प्रदीप कुमार, मुकेश यादव, सतीश कुमार के अलावा आशा वर्कर, आंगनवाड़ी वर्कर एवं मोहल्ले वासी उपस्थित थे।

मलेरिया के लक्षण

तेज सर्दी लग कर बुखार आना, बुखार के दौरान तेज सिरदर्द होना, आंखों में जलन होना एवं उल्टी आना मलेरिया बुखार के लक्षण हैं।

मलेरिया से बचाव

सर्व प्रथम मच्छरों से सावधान रहें। घरेलू उपकरणों कूलर, पानी की टंकी, फूलदान में ज्यादा दिन पुराना पानी न रहने दें। पानी के बर्तनों को ढक कर रखें। घर के अंदर मच्छरों की रोकथाम के लिए दरवाजे व खिड़कियों पर जाली लगाएं। रात को सोते समय कूलर-पंखे व मच्छरदानी का उपयोग करें। रात को सोते समय पूरे कपड़े पहनें। मच्छरों को भगाने के लिए स्प्रे, क्रीम व अन्य उपकरणों का उपयोग करें।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया डीएनए डे

महेंद्रगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को डीएनए डे मनाया गया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर वी.एस. परमार ने डीएनए से जुड़े विभिन्न पहलुओं से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अवगत कराया। विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से आयोजित इस एक दिवसीय कार्यशाला में शांति स्वरूप भटनागर अवार्ड विजेता प्रो. शांतनु चौधरी, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. राजेश मिश्र, प्रो. पवन केधर एवं प्रो. शैलजा सिंह ने भी डीएनए से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में मंच संचालन डॉ. पूजा यादव ने किया और इस अवसर पर विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. रिषि गुप्ता, डॉ. अविजीत, डॉ. अश्वनी और डॉ. तेजपाल आदि भी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में विद्यार्थियों को संबोधित करते प्रोफेसर वी.एस. परमार।